

3¹¹/₂₃

आज यह फावली प्रार्थना के अर्थ में नकोल उपस्थित
होकर प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के पेश कर्त्त पद पेशी में
ली गई। प्रार्थना पत्र पेश कर दिवेड्ड मिश्र हैं
कि उक्त उकरण में परमात्मा ने प्रत्येक लोक अज्ञान
से भावना एवं भौजिक व्यक्तियों की सम्बन्धि
से राजीनामा ले गया है प्रार्थना उक्त वाद फावली
को आगे चलाना नहीं चाहती है - आभरी वल्लभ
में उपरोक्त अनवान शक्ति फावली आज की पेशी में
ली जाकर विद्वानों के अर्थ में निरस्त कर माफे जाने के
आदि प्रमाणों से स्पष्ट है।

प्रार्थना द्वारा अर्थ में नकोल प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को अज्ञान
विदा जाने के उक्त वाद प्रमाण अर्थ में विद्वानों की अर्थ
पद स्वार्थी मिश्र जाता है। फावली अर्थ में 25 पाठों के
द्वारिकल अर्थ है।

मं. वि.
पद-पत्र
अज्ञान